ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८ १२५

बुलेटिन संख्या-३४
दिनांक-मंगलवार,३० अप्रैल,२०१६

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३८.१ एवं २४.४ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ७० सुबह में एवं दोपहर में ४८ प्रतिशत, हवा की औसत गति ३.५ कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ६.८ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.७ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में २९.४ एवं दोपहर में ३८.९ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

(१-५ मई,२०१९)

ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा,समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १-५ मई, २०१९ तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-

- पूर्वानुमान की अवधि में उत्तर बिहार के जिलों में आसमान में हल्के से मध्यम बादल देखे जा सकते हैं। उत्तर बिहार में ३-४ मई में गरज वाले बादल बनने के साथ कहीं-कहीं हल्की वर्षा होने का अनुमान है। वर्षा के दौरान तेज हवा या आँधी की संभावना है।
- अधिकतम तापमान ३६ से ३९ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है। न्यूनतम तापमान २२ से २४ डिग्री सेल्सियस के आस-पास रह सकता है।
- इस अवधि में औसतन ६-१५ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने की संभावना है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ६० से ७० प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- ३-४ मई में गरज वाले बादल बनने के साथ-साथ वर्षा होने की संभावना को देखते हुए किसान भाईयों को कृषि कार्य में सावधानी बरतने की सलाह दी जाती है। अगले १-२ दिनों के अन्दर कटी हुई गेहूँ की दौनी कर सुरक्षित स्थान पर भंडारीत कर लें। फिलहाल खड़ी फसलो में सिंचाई स्थगित रखें। कीटनाशकों का छिड़काव आसमान साफ रहने पर ही करें।
- मूंग एवं उरद की फसल मे रस चूसक कीट माहु, हरा फुदका, सफेद मक्खी व थ्रीप्स कीट की निगराणी करें। यह कीट पौधे की पत्तियों, कोमल टहनियों, फूल व अपरिपक्व फलियों से रस चूसते है। सफेद मक्खी पीला मोजैक रोग को फैलाने का काम करती है। थ्रीप्स कोमल कलियों व पुष्पों को बहुत क्षति पहुँचाती हैं जिससें अक्रान्त फूल खिलने से पहले झड़ जाती है, फलियाँ नही बन पाती है। इन कीटों का प्रकोप दिखने पर बचाव हेतु मैलाथियान ५० ई०सी० या डाडमेथोएट ३० ई०सी० का १ लीटर प्रति हेक्टेयर की दर से फसल मे छिड़काव करें।
- लत्तर वाली सब्जियों जैसे नेनुआ, करैला, लौकी (कद्दू), और खीरा फसलों में फल मक्खी कीट की निगरानी करें। इन फसलों को क्षति पहुचाने वाला यह प्रमुख कीट है। यह घरेलू मक्खी की तरह दिखाई देने वाली भूरे रंग की होती है। मादा कीट मुलायम फलों की त्वचा के अन्दर अंडे देती है। अंडे से पिल्लू निकलकर अन्दर ही अन्दर फलों के भीतरी भाग को खाता है। जिसके कारण पूरा फल सड़ कर नष्ट हो जाता है। इस कीट का प्रकोप शुरू होते ही १ किलोग्रम छोआ, २ लीटर मैलाथियान ५० ई०सी० को १००० लीटर पानी मे घोल कर प्रति हेक्टेयर की दर से १५ दिनों के अन्तराल पर दो बार छिड़काव करें।
- भिण्डी की फसल को लीफ हॉपर कीट द्वारा काफी नुकसान होता है। यह कीट दिखने में सुक्ष्म होता है। इसके नवजात एवं व्यस्क दोनो पत्तियों पर चिपककर रस चुसते है। अधिकता की अवस्था मे पत्तियों पर छोटे-छोटे घब्बे उभर जाते है और पत्तियाँ पीली तथा पौधे कमजोर हो जाते है जिससे फलन प्रभावित होती है। इस कीट का प्रकोप दिखाई देने पर इमिडाक्लोप्रिड ०.५ मी०ली० प्रति लीटर पानी की दर से घोल बनाकर छिड़काव करें। भिंडी फसल में माइट कीट की निगरानी करते रहे। प्रकोप दिखाई देने पर ईथियॉन @ १.५ से २ मि०ली० प्रति ली० पानी की दर से छिड़काव करे।
- आम के पेड़ में मिलीबग (दहिया कीट) की निगरानी करें। यह कीट चिपटे गोल आकार के पंखहीन तथा शरीर पर सफेद दही के रंग का पॉउडर चिपका रहता है। यह आम के पेड़ में मुलायम डालों और मंजर वाले भाग में बहुतो की संख्या में चिपका हुआ देखा जा सकता है तथा यह उन हिस्सों से लागातार रस चुसता रहता है जिससे अक्रान्त भाग सुख जाता है तथा मंजर झड़ जाते हैं। इस कीट से रोकथाम हेतु डाइमेथोएट ३० ई०सी०दवा का १.० मि०ली०/लीटर पानी की दर से घोल बनाकर पेड़ पर समान रुप से छिडकाव करें।
- फलदार वृक्षों तथा वानिकी पौधों को लगाने के लिए अनुशंसित दूरी पर १ मी० व्यास के १ मीटर गहरे गडढ़े बना कर छोड़ दें।
- दूधारु पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३९.४ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.१ डिग्री सेल्सियस अधिक	आज का न्यूनतम तापमानः २४.० डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.६ डिग्री सेल्सियस अधिक

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी